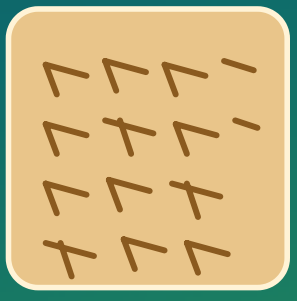
Ask Your Solution Academy

कक्षा 11 | इतिहास (विश्व इतिहास के कुछ विषय) | विषय 1

लेखन कला और शहरी जीवन

प्रारंभिक समाज · मेसोपोटामिया · कीलाकार लिपि





सचित्र नोट्स | कालक्रम एक + समय-रेखा | 20 MCQ | 1 · 2 · 4 · 6 अंक | केस आधारित | पाठ्यपुस्तक के उत्तर

द्वारा / शिक्षक

Suresh Raikwar

Founder – Ask Your Solution Academy

वेबसाइट : mcqwaale.in

★ अध्याय सूची (Index)

भाग A	सचित्र नोट्स – प्रारंभिक समाज, मेसोपोटामिया, शहरीकरण, लेखन कला, मंदिर-राजा, उर, मारी, पुस्तकालय
भाग B	एक नज़र में – कालक्रम एक, Quick Revision, समय-रेखा, तालिकाएँ
भाग C	20 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) + उत्तर कुंजी
भाग D	1 अंक के प्रश्न-उत्तर
भाग E	2 अंक के प्रश्न-उत्तर
भाग F	4 अंक के प्रश्न-उत्तर + केस आधारित प्रश्न
भाग G	6 अंक के प्रश्न-उत्तर (भूमिका – बिंदु – निष्कर्ष)
भाग H	पाठ्यपुस्तक 'अभ्यास' के सभी 6 प्रश्न – उत्तर सहित
भाग I	क्रियाकलाप 1 से 4 – संकेत उत्तर
भाग J	रिक्त स्थान, सत्य/असत्य, मिलान

अध्ययन सुझाव

- पहले **चित्र/चार्ट** देखें, फिर नोट्स पढ़ें और **Quick Revision** से दोहराएँ।
- तिथियाँ **समय-रेखा** से और नगरों के नाम **नक्शे** से याद करें।
- 6 अंक के उत्तर **भूमिका → बिंदु → निष्कर्ष** के क्रम में लिखें।
- और अभ्यास : **mcqwaale.in**

अध्याय की मूल भावना

मेसोपोटामिया में **खेती की समृद्धि, व्यापार, मंदिर और राजा** ने मिलकर पहले शहर बनाए, और शहरी जीवन की ज़रूरतों (हिसाब-किताब) से **लेखन कला** का जन्म हुआ।

A सचित्र नोट्स

1 प्रारंभिक समाज – खंड का परिचय

- इस खंड में **प्रारंभिक समाजों** की चर्चा है – लाखों साल पहले **मानव अस्तित्व की शुरुआत**; सर्वप्रथम **अफ्रीका** में मानव प्राणियों का प्रादुर्भाव हुआ।
- पुरातत्त्वविदों ने **हड्डियों और पत्थर के औज़ारों के अवशेषों** की मदद से आरंभिक मानव के जीवन का पुनर्निर्माण करने का प्रयत्न किया है – वे कैसे घरों में रहते थे, कंदमूल-बीज इकट्ठा करके और शिकार करके भरण-पोषण कैसे करते थे, भावों-विचारों को कैसे व्यक्त करते थे।
- इसमें यह भी पढ़ेंगे कि **आग और भाषा** का प्रयोग कब और कैसे शुरू हुआ, और आज भी शिकार-संग्रह पर जीने वाले लोगों के अध्ययन से अतीत की क्या जानकारी मिलती है।
- विषय 1 में **मेसोपोटामिया** (वर्तमान इराक) के कुछ शहरों की चर्चा है, जिनका विकास **मंदिरों के आसपास** हुआ; ये नगर सुदूर व्यापार के केंद्र थे। इन शहरों में **पशुचारक समुदाय** की भी महत्त्वपूर्ण भूमिका थी।
- विचारणीय प्रश्न : यदि **लेखन कला** का विकास नहीं हुआ होता, तो इन शहरों में विविध गतिविधियाँ कैसे संभव होतीं?



चित्र 1 – प्रारंभिक समाज से शहर तक का सफ़र

2 खेती से शहर तक – दूरगामी परिवर्तन

- लाखों वर्ष तक लोग जंगलों, गुफाओं, कामचलाऊ घरों और शिलाश्रयों में रहे। शहरों की स्थापना से **कम-से-कम 5000 वर्ष पहले** अनेक घटनाएँ घट चुकी थीं।
- **खानाबदोश जीवन छोड़कर खेती** के लिए एक स्थान पर बसना – जो लगभग **10,000 साल पहले** शुरू हुआ। लोगों ने पौधों के उगने का स्थान, मौसम आदि की जानकारी से पौधे उगाना सीखा।
- **फ़सलें :** पश्चिमी एशिया – गेहूँ, जौ, मटर, दालें; पूर्वी व दक्षिण-पूर्वी एशिया – ज्वार-बाजरा, धान; अफ्रीका – ज्वार-बाजरा।
- लोगों ने **भेड़-बकरी, ढोर, सूअर और गधा** पालतू बनाए। रूई, पटसन, ऊन से **कपड़े** बुने जाने लगे। लगभग **5000 साल पहले** ढोरों-गधों को हलों और गाड़ियों में जोता जाने लगा।
- फ़सल पकने तक एक स्थान पर रुकना पड़ता था – इसलिए **स्थायी घर** बनने लगे। **मिट्टी के बर्तन** बने; भोजन बनाने पर अधिक ध्यान दिया जाने लगा।
- पत्थर के औज़ार **घिसाई से चिकने और पॉलिशदार** बनने लगे। नए उपकरण : **ओखली-मूसल, पत्थर की कुल्हाड़ी, कसिया, फावड़ा**।
- कुछ इलाकों में **ताँबा और टिन (राँगा)** के खनिजों का उपयोग शुरू हुआ – गहने और औज़ार बनाने का रास्ता खुला।
- दूरस्थ स्थानों से **लकड़ी, पत्थर, हीरे-जवाहरात, धातुएँ, सीपियाँ और ऑब्सीडियन** (ज्वालामुखी का जमा हुआ लावा) आने लगे – **व्यापार** बढ़ा; गाँव-कस्बे बढ़े; पुराने जन-समुदायों की जगह **छोटे-छोटे राज्य** बने।
- ये परिवर्तन धीमे थे (कई हज़ार साल लगे), पर शहर बनने पर रफ़्तार तेज़ हुई। कुछ विद्वानों ने इसे '**क्रांति**' कहा, क्योंकि जीवन इतना बदल गया था कि पहचानना मुश्किल था।

कालक्रम एक – कैसे पढ़ें?

- कालक्रम **6 लाख वर्ष पूर्व से 1 ई.पू.** तक का है और छह क्षेत्रों में बँटा है।
- राजाओं के युद्धों की तुलना में **सामान्य स्त्री-पुरुषों** को प्रभावित करने वाली प्रक्रियाओं की तिथियाँ तय करना कठिन है।
- इतिहासकार नए साक्ष्यों से तिथियों में **संशोधन** करते रहते हैं।
- खाली खाने का अर्थ यह नहीं कि उस समय कुछ घटा ही नहीं – कभी-कभी हमें अभी तक **पता नहीं** होता।

3 मेसोपोटामिया – परिचय, नाम और भाषा

- **शहरी जीवन की शुरुआत मेसोपोटामिया** में हुई। यह प्रदेश **फ़रात (Euphrates) और दज़ला (Tigris)** नदियों के बीच है, जो आज **इराक गणराज्य** का भाग है।
- **नाम :** यूनानी भाषा के दो शब्द – **मेसोस** (मध्य) + **पोटैमोस** (नदी) = 'नदियों के बीच की ऊपजाऊ धरती'।
- यह सभ्यता अपनी **संपन्नता, शहरी जीवन, विशाल साहित्य, गणित और खगोलविद्या** के लिए प्रसिद्ध थी। इसकी लेखन-प्रणाली 2000 ई.पू. के बाद भूमध्यसागरीय प्रदेशों, उत्तरी सीरिया और तुर्की में फैली – यहाँ तक कि मिस्र के **फ़राओ** के साथ भी इसी भाषा-लिपि में पत्र-व्यवहार होने लगा।

क्षेत्र के नाम कैसे बदले ?

काल	नाम / घटना
आरंभिक काल	शहरीकृत दक्षिणी भाग = **सुमेर और अक्कद**
2000 ई.पू. के बाद	बेबीलोन महत्त्वपूर्ण शहर बना → दक्षिणी क्षेत्र **बेबीलोनिया**
लगभग 1100 ई.पू.	असीरियाइयों ने उत्तर में राज्य बनाया → **असीरिया**

- सबसे पहली ज्ञात भाषा **सुमेरियन (सुमेरी)** थी। लगभग **2400 ई.पू.** से अक्कदी लोग आए और **अक्कदी भाषा** ने सुमेरियन का स्थान लिया; सिकंदर (336–323 ई.पू.) के समय तक अक्कदी फलती-फूलती रही।
- **1400 ई.पू.** से **अरामाइक** भाषा का प्रवेश हुआ – यह हिब्रू से मिलती-जुलती थी, 1000 ई.पू. के बाद व्यापक रूप से बोली जाने लगी और आज भी इराक के कुछ भागों में बोली जाती है।

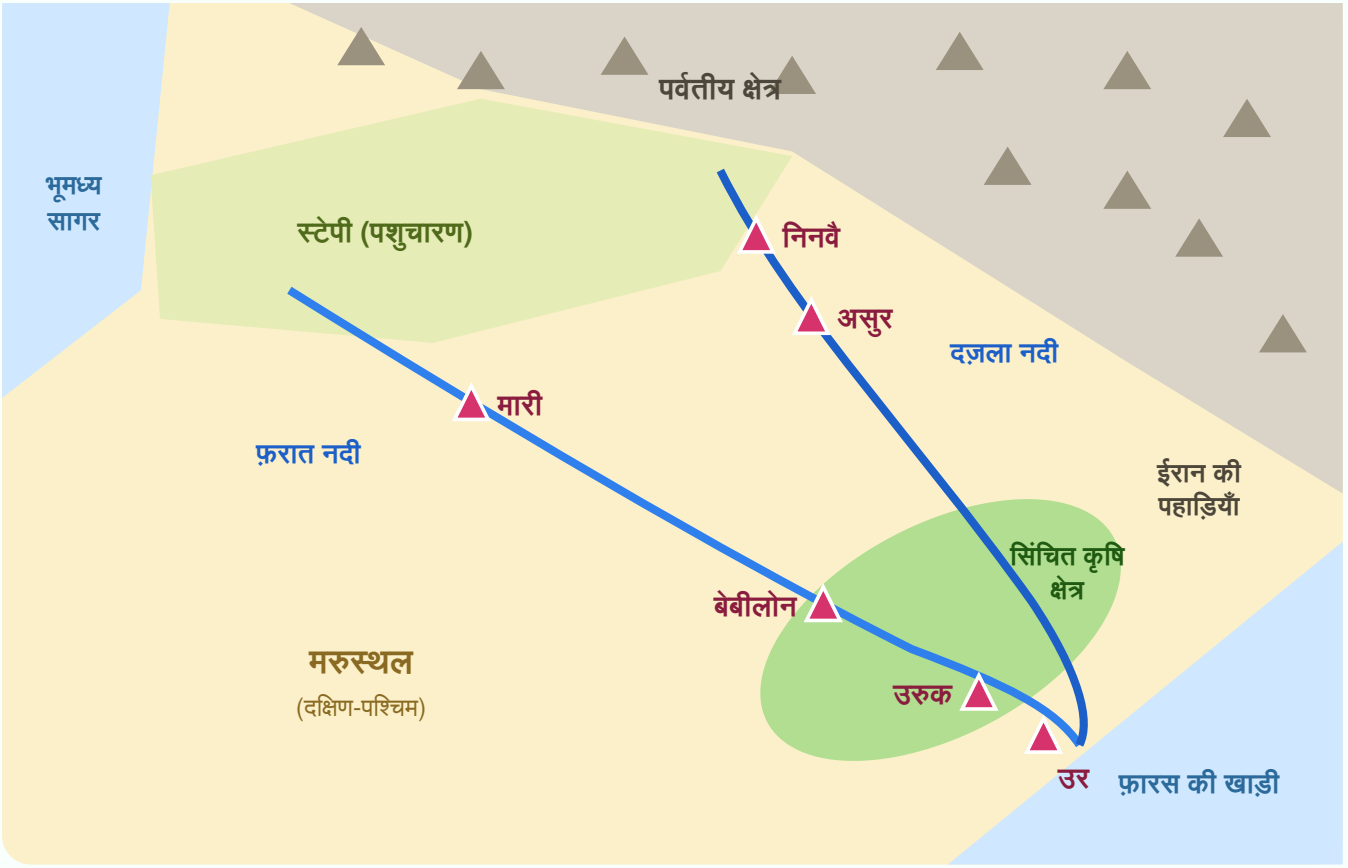
4 पुरातात्त्विक खोज और बाइबल

- मेसोपोटामिया में पुरातात्त्विक खोजों की शुरुआत **1840 के दशक** में हुई। **उरुक और मारी** जैसे स्थलों पर उत्खनन कई दशकों तक चला। (भारत में किसी स्थल पर इतने लंबे अरसे तक खुदाई की कोई परियोजना नहीं चली।)
- खुदाई से **सैकड़ों इमारतों, मूर्तियों, आभूषणों, क़ब्रों, औज़ारों, मुद्राओं** और **हज़ारों लिखित दस्तावेज़ों** का अध्ययन संभव हुआ।
- **यूरोप के लिए महत्त्व :** बाइबल के पहले भाग '**ओल्ड टेस्टामेंट**' की '**बुक ऑफ़ जेनेसिस**' में '**शिमार**' का उल्लेख है – सुमेर की ईंटों से बने शहरों की भूमि। यूरोपीय यात्री-विद्वान इसे अपने पूर्वजों की भूमि मानते थे; खुदाई का आरंभ बाइबल के अक्षरशः **सत्य को सिद्ध** करने की कोशिश था।
- **1873** में एक ब्रिटिश अखबार ने ब्रिटिश म्यूज़ियम के खोज-अभियान का खर्च उठाया – ताकि **जलप्लावन (Flood)** की कहानी वाली पट्टिका मिल सके।
- **1960 के दशक** तक माना जाता रहा कि ओल्ड टेस्टामेंट की कहानियाँ अक्षरशः सही नहीं हैं, पर वे **अतीत के महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों** को अपने ढंग से व्यक्त करती हैं। धीरे-धीरे पुरातात्त्विक तकनीकें उन्नत हुईं और **आम लोगों के जीवन** की भी परिकल्पना होने लगी।

जलप्लावन की कथा (क्रियाकलाप 1 से जुड़ा)

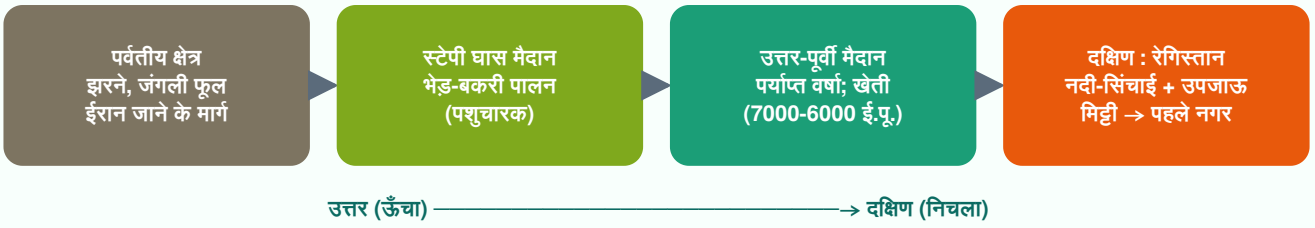
*बाइबल के अनुसार जलप्लावन पृथ्वी पर संपूर्ण जीवन को नष्ट करने वाला था। परमेश्वर ने **नोआ (Naoh)** को चुना; नोआ ने एक विशाल नाव बनाई और उसमें सभी जीव-जंतुओं का एक-एक जोड़ा रखा – बाकी सब नष्ट हो गया। ऐसी ही कहानी मेसोपोटामिया के परंपरागत साहित्य में भी है, जिसके मुख्य पात्र को '**ज़िउसुद्र**' या '**उतनापिश्तिम**' कहा जाता था।*

5 मेसोपोटामिया का भूगोल



चित्र 2 – मेसोपोटामिया : नदियाँ, नगर और क्षेत्र (योजनात्मक चित्र)

- इराक **भौगोलिक विविधता** का देश है। **उत्तर-पूर्व** में हरे-भरे ऊँचे-नीचे मैदान, पर्वत-शृंखलाएँ, स्वच्छ झरने और जंगली फूल हैं; **पर्याप्त वर्षा** होती है और **7000 से 6000 ई.पू.** के बीच यहीं खेती शुरू हुई।
- **उत्तर** में ऊँची भूमि और **'स्टेपी' घास के मैदान** हैं – यहाँ खेती की तुलना में **पशुपालन** आजीविका का अधिक अच्छा साधन है। सर्दियों की वर्षा के बाद भेड़-बकरियाँ घास-झाड़ियों से भरण-पोषण करती हैं।
- **पूर्व** में दज़ला की सहायक नदियाँ **ईरान के पहाड़ी प्रदेशों** में जाने का अच्छा मार्ग हैं।
- **दक्षिण** एक **रेगिस्तान** है – यहीं सबसे पहले **नगरों और लेखन-प्रणाली** का प्रादुर्भाव हुआ। रेगिस्तान में शहरों के पोषण की क्षमता थी, क्योंकि फ़रात-दज़ला उत्तरी पहाड़ों से **उपजाऊ बारीक मिट्टी** लाती रहीं; बाढ़ या **सिंचाई** से यह मिट्टी खेतों में जमा होती है।



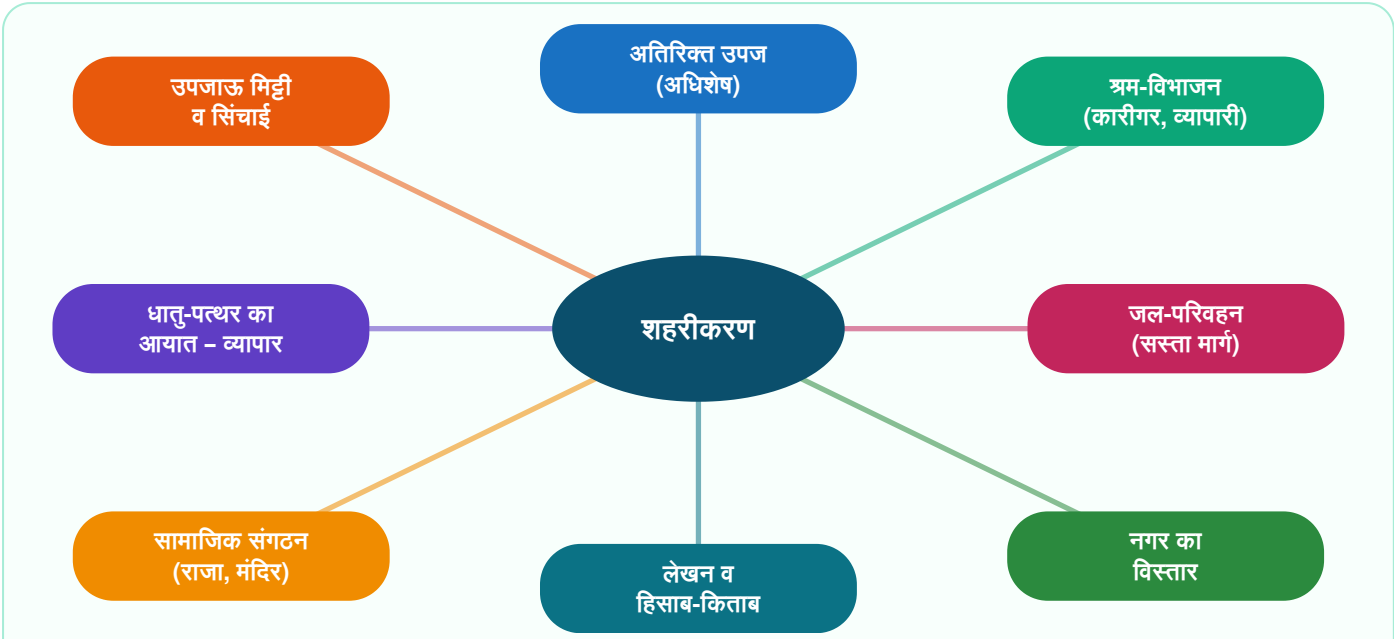
चित्र 3 – उत्तर से दक्षिण : भौगोलिक क्षेत्र और आजीविका

- फ़रात रेगिस्तान में कई धाराओं में बँटकर बहती है; ये धाराएँ **सिंचाई की नहरों** का काम देती थीं। गेहूँ, जौ, मटर, मसूर की सिंचाई होती थी।
- रोम साम्राज्य सहित सभी पुरानी व्यवस्थाओं में **दक्षिणी मेसोपोटामिया की खेती सबसे ज़्यादा उपज** देने वाली थी, हालाँकि वहाँ वर्षा की कुछ **कमी** रहती थी।
- खेती के अलावा **भेड़-बकरियाँ** स्टेपी, पूर्वोत्तर मैदानों और पहाड़ों के ढालों पर पाली जाती थीं – माँस, दूध, ऊन मिलता था। नदियों में **मछलियाँ** और गर्मियों में **खजूर** (पिंड खजूर) भरपूर थे।

- पर यह सोचना गलत है कि शहरों का विकास **केवल ग्रामीण समृद्धि** से हुआ – अन्य कारक भी थे।

6 शहरीकरण का महत्त्व

- शहर केवल रहने के स्थान नहीं – जब खाद्य उत्पादन के अलावा **व्यापार, उत्पादन और सेवाएँ** विकसित होती हैं तब किसी स्थान पर **जनसंख्या का घनत्व** बढ़ता है और कस्बे बसते हैं।
- नगर के लोग **आत्मनिर्भर नहीं** रहते – उन्हें दूसरों की वस्तुओं और सेवाओं पर आश्रित होना पड़ता है; आपस में **बराबर लेन-देन** होता है।
- **उदाहरण :** पत्थर की मुद्रा बनाने वाले कारीगर को पत्थर उकेरने के लिए **काँसे के औज़ार** चाहिए, पर वह औज़ार स्वयं नहीं बनाता, न यह जानता है कि रंगीन पत्थर कहाँ मिलेगा। काँसा बनाने वाला भी ताँबा-राँगा लाने खुद बाहर नहीं जाता; उसे ईंधन के लिए लकड़ी का कोयला चाहिए। यही **श्रम-विभाजन (Division of Labour)** शहरी जीवन की विशेषता है।
- शहरी अर्थव्यवस्था में एक **सामाजिक संगठन** भी ज़रूरी है – ईंधन, धातु, पत्थर, लकड़ी भिन्न-भिन्न जगहों से आती हैं; **संगठित व्यापार और भंडारण** चाहिए। कुछ लोग **आदेश देते** हैं, दूसरे **पालन** करते हैं। साथ ही **लिखित हिसाब-किताब** रखना होता है।



चित्र 4 – शहर कैसे बसे ? कारणों का जाल

वार्का शीर्ष (उरुक, लगभग 3000 ई.पू.)

*स्त्री का यह सिर **सफ़ेद संगमरमर** को तराशकर बनाया गया। आँखों-भौंहों में नीले **लाजवर्द**, सफ़ेद सीपी और काले **डामर** की जड़ाई की गई होगी; ऊपर एक खाँचा गहना पहनने के लिए रहा होगा। यह मूर्तिकला का **विश्व-प्रसिद्ध नमूना** है। इसे एक कठोर पत्थर में तराशा गया, जिसे काफ़ी दूर से लाना पड़ा होगा।*

एक सोपान ऊपर – काँसा और कांस्य युग

मेसोपोटामिया के प्राचीनतम नगर **कांस्य युग** (लगभग **3000 ई.पू.**) में बने। **काँसा = ताँबा + राँगा (टिन)**। काँसे का इस्तेमाल दर्शाता है कि धातुएँ **दूर-दूर से मँगाई** जाती थीं। औज़ार, मुहर उकेरने, फ़र्नीचर, और भालों की नोकें भी काँसे की बनती थीं।

7 शहरों में माल की आवाजाही

- खाद्य-संसाधन समृद्ध थे, पर **खनिज-संसाधनों का अभाव** था। दक्षिण में औज़ार, मोहरें और आभूषण के लिए **पत्थर की कमी** थी; खजूर-पोपलार की लकड़ी गाड़ियों-नावों के लिए अच्छी नहीं थी।
- इसलिए **लकड़ी, ताँबा, राँगा, चाँदी, सोना, सीपी और पत्थर** तुर्की, ईरान या खाड़ी-पार के देशों से मँगाए जाते थे; बदले में कपड़ा और कृषि-जन्य उत्पाद **निर्यात** किए जाते थे। इसके लिए **सामाजिक संगठन** चाहिए था, जो विदेशी अभियानों-विनिमयों को निर्देशित करे।

- **परिवहन :** भारवाही पशु कठिन व महँगे – उनके चारे में समय-खर्च; इसलिए **सबसे सस्ता तरीका जलमार्ग** था। अनाज के बोरों से लदी **नावें और बजरे** नदी की धारा या हवा के वेग से चलते थे – कोई खर्च नहीं।
- पुरानी **नहरें और प्राकृतिक जलधाराएँ** बस्तियों के बीच माल के परिवहन का अच्छा मार्ग थीं। **फ़रात नदी** व्यापार के लिए '**विश्व-मार्ग**' जैसी थी।

8 लेखन कला का विकास

- सभी समाजों की एक भाषा होती है – उच्चरित ध्वनियाँ अर्थ प्रकट करती हैं (**मौखिक अभिव्यक्ति**)। **लेखन** में ये ध्वनियाँ **दृश्य संकेतों/चिह्नों** के रूप में प्रस्तुत होती हैं।
- मेसोपोटामिया की **पहली पट्टिकाएँ (Tablets)** लगभग **3200 ई.पू.** की हैं – इनमें चित्र जैसे चिह्न और **संख्याएँ** हैं; बैलों, मछलियों, रोटियों की लगभग **5000 सूचियाँ** मिलीं – उरुक के मंदिरों में आने-जाने वाली चीज़ें।
- **लेखन तब शुरू हुआ जब समाज को लेन-देन का स्थायी हिसाब रखने की ज़रूरत पड़ी**, क्योंकि शहरी जीवन में लेन-देन अलग समय पर होते, कई लोग करते और सौदे कई प्रकार के होते थे।
- पट्टिकाएँ **चिकनी मिट्टी** की थीं (ऊँचाई ≈ 3.5 सेमी या कम) – इन पर बैल, मछली, अनाज, नाव आदि के **संकेत-चित्र** बने।



चित्र 5 – कीलाकार लेखन की प्रक्रिया

- लिपिक चिकनी मिट्टी को गीला करके **गूँधकर और थापकर** एक हाथ में पकड़ने योग्य पट्टिका बनाता, सतह चिकनी करता, फिर **सरकंडे की तीखी नोक** से **कीलाकार (cuneiform)** चिह्न बनाता। (**क्यूनीफ़ार्म** = लातिनी 'क्यूनियस' = खूँटी + 'फ़ॉर्मा' = आकार।)
- धूप में सूखने पर पट्टिका **पक्की, मिट्टी के बर्तन जैसी मज़बूत** हो जाती थी। गलत हिसाब हो जाए तो पट्टिका **फेंक** दी जाती – सूखने के बाद **नया चिह्न नहीं लिखा जा सकता** था। हर सौदे के लिए **अलग पट्टिका** चाहिए – इसलिए सैकड़ों पट्टिकाएँ मिली हैं, जिनसे हम आज मेसोपोटामिया को जानते हैं।
- लगभग **2600 ई.पू.** तक वर्ण **कीलाकार** हो गए और भाषा **सुमेरियन** थी। अब लेखन का उपयोग हिसाब के अलावा **शब्द-कोश बनाने, भूमि के हस्तांतरण को कानूनी मान्यता देने, राजाओं के कार्यों का वर्णन और कानूनों की घोषणा** के लिए होने लगा।
- सुमेरियन के बाद **अक्कदी भाषा** में कीलाकार लेखन का रिवाज **ईसवी सन् की पहली शताब्दी तक** – 2000 से अधिक वर्षों तक चला।

9 लेखन प्रणाली और साक्षरता

- कीलाक्षर या चिह्न किसी **अकेले व्यंजन या स्वर** (m, a) के लिए नहीं, बल्कि **अक्षरों (Syllables)** के लिए होते थे (जैसे -put-, -la-, -in-)।
- लिपिक को **सैकड़ों चिह्न** सीखने पड़ते और गीली पट्टी पर सूखने से **पहले ही** लिखना होता था। इसमें बड़ी **कुशलता** चाहिए थी, इसलिए लेखन का काम अत्यंत **महत्त्वपूर्ण** माना जाता – किसी भाषा की ध्वनियों को **दृश्य रूप** देना एक **महान बौद्धिक उपलब्धि** थी।
- **साक्षरता :** मेसोपोटामिया के **बहुत कम लोग** पढ़-लिख सकते थे – चिह्न सैकड़ों थे और पेचीदे भी। राजा स्वयं पढ़ सकता तो भी वह चाहता था कि प्रशस्तिपूर्ण अभिलेखों में उसके तथ्य लिखे जाएँ। **अधिकतर लिखावट बोलने के तरीके** को दर्शाती थी।
- अधिकारी का पत्र राजा को **पढ़कर सुनाया** जाता था, इसलिए उसकी शुरुआत ऐसी होती : "मेरे 'अमुक' मालिक को... उनका 'अमुक' सेवक निवेदन करता है..."।

10 लेखन का प्रयोग – एनमर्कर और अरट्टा की कथा

- शहरी जीवन, व्यापार और लेखन का संबंध **उरुक के शासक एनमर्कर** के बारे में एक **सुमेरियन महाकाव्य** में स्पष्ट किया गया है। उरुक को केवल '**शहर**' कहकर पुकारा जाता था।
- महाकाव्य के अनुसार **सुमेर के व्यापार की पहली घटना** एनमर्कर के साथ जुड़ी है। एनमर्कर अपने शहर के **मंदिर को सजाने** के लिए **लाजवर्द और अन्य बहुमूल्य रत्न तथा धातुएँ** मँगाना चाहता था। इसके लिए उसने **अरट्टा** (सुदूर देश) के शासक के पास अपना **दूत** भेजा।

- दूत लंबी यात्रा करके, पहाड़ों (सूसा के लोग, पाँच-छः-सात पर्वतमालाएँ) को पार करके पहुँचा। पर अरट्टा के मुखिया से **लाजवर्द-चाँदी नहीं** ला सका; बार-बार लंबी यात्राओं के बाद वह इतना **चकरा गया** कि अपनी बात ठीक से कह न सका और एनमर्कर के संदेशों को घालमेल कर दिया।
- तब राजा एनमर्कर ने **चिकनी मिट्टी की पट्टिका** बनाई और उस पर शब्द लिख दिए (**उन दिनों मिट्टी पर शब्द लिखने का रिवाज़ नहीं था**)। जब पट्टिका अरट्टा के शासक को दी गई, तो उसने जाँची – शब्द **'कील' यानी कीलाकार** थे; उसकी त्योरियाँ चढ़ गईं।

निष्कर्ष

इस घटना को शाब्दिक रूप से सत्य नहीं मानना चाहिए, पर इससे पता चलता है कि मेसोपोटामिया की विचारधारा में **सर्वप्रथम राजा ने ही व्यापार और लेखन की व्यवस्था** की थी। लेखन **सूचना इकट्ठी करने और दूर-दूर भेजने** का साधन था, और इससे **शहरी संस्कृति की उत्कृष्टता** झलकती है।

11 दक्षिणी मेसोपोटामिया का शहरीकरण – मंदिर और राजा

- **5000 ई.पू.** से दक्षिणी मेसोपोटामिया में बस्तियाँ बनने लगीं; कुछ प्राचीन शहर बन गए। **तीन प्रकार** के शहर : (1) **मंदिरों के चारों ओर** विकसित, (2) **व्यापार के केंद्र**, (3) **शाही शहर**।
- बाहर से आने वाले लोगों ने अपने गाँवों में **चुने हुए स्थानों पर मंदिर** बनाए/पुनर्निर्माण किया। सबसे पहला ज्ञात मंदिर एक **छोटा-सा देवालय** था – **कच्ची ईंटों** का बना (लगभग 5000 ई.पू.)।
- मंदिर **देवी-देवताओं के निवास** थे – जैसे **उर का चंद्र देवता** और **इन्नाना** (प्रेम व युद्ध की देवी)। मंदिर समय के साथ **बड़े** होते गए – **खुले आँगन** के चारों ओर कई कमरे। साधारण घरों से अलग किस्म के नहीं (मंदिर भी देवता का घर), पर बाहरी दीवारें **कुछ अंतराल पर भीतर-बाहर मुड़ी** होती थीं – यही मंदिरों की विशेषता थी।
- देवता **पूजा का केंद्र-बिंदु** थे। लोग **अन्न, दही, मछली** लाते थे। देवता खेतों, मत्स्य क्षेत्रों और पशुधन के **स्वामी** माने जाते थे। **उपज को वस्तुओं में बदलने** (तेल निकालना, अनाज पीसना, कातना, ऊनी कपड़े बुनना) की प्रक्रिया भी मंदिर में होती थी।
- व्यवस्थापक, व्यापारियों के नियोक्ता, **अन्न, हल जोतने वाले पशुओं, रोटी, जौ की शराब, मछली** के आवंटन-वितरण के **लिखित अभिलेखों** के पालक के रूप में **मंदिर धीरे-धीरे मुख्य शहरी संस्था** बन गया – पर और भी कारक थे।



चित्र 6 – मंदिर : पूजा-स्थल से आर्थिक केंद्र तक

- **कृषि संकट :** फ़रात की धाराएँ कभी बहुत पानी लातीं और फ़सलें डुबो देतीं; कभी रास्ता बदलतीं और खेत सूख जाते। **मानव-निर्मित समस्याएँ** भी थीं – ऊपरी इलाकों के लोग इतना पानी रोक लेते या सरणी में **गाद** न निकालते कि नीचे वालों को पानी न मिलता। इसलिए **ज़मीन और पानी के लिए झगड़े** होते थे।
- **युद्ध और नेतृत्व :** लंबे युद्धों में विजयी **मुखिया** लूट का माल साथियों में बाँटते और **बंदियों** को चौकीदार/नौकर बनाते – इस तरह अनुयायियों की संख्या बढ़ाते। पर वे स्थायी मुखिया नहीं थे। बाद में नेताओं ने **समुदाय के कल्याण** पर ध्यान दिया – **नई संस्थाएँ और परिपाटियाँ** बनीं।

- विजेता मुखिया कीमती भेंटें **देवताओं को अर्पित** करने लगे – मंदिरों की सुंदरता बढ़ी; उन्होंने लोगों को **उत्कृष्ट पत्थर और धातुएँ** लाने भेजा। इस व्यवस्था ने **राजा को ऊँचा स्थान** दिलाया और समुदाय पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित किया।
- मुखियाओं ने ग्रामीणों को पास बसने के लिए प्रोत्साहित किया – ताकि **सेना तुरंत इकट्ठी** हो सके और लोग सुरक्षित रहें।

उरुक नगर – आँकड़े

काल	विवरण
4200 ई.पू. – 400 ईसवी	उरुक नगर अपने अस्तित्व में बना रहा
लगभग 3000 ई.पू.	नगर 250 हैक्टेयर में फैला → दर्जनों छोटे गाँव उजड़े; यह **मोहनजोदड़ो से दो गुना** था
लगभग 2800 ई.पू.	बढ़कर **400 हैक्टेयर** में फैल गया; चारों ओर सुदृढ़ **प्राचीर**

- **श्रम :** युद्धबंदी और स्थानीय लोग अनिवार्य रूप से **मंदिर या शासक का काम** करते – पत्थर खोदना, धातु लाना, ईंटें बनाना, सुदूर देशों से सामान लाना। काम के बदले **अनाज (राशन)** मिलता था। सैकड़ों **राशन-सूचियाँ** मिली हैं। अनुमान – एक मंदिर बनाने में **1500 आदमी पाँच साल तक रोज़ 10 घंटे** लगे।
- **तकनीकी प्रगति :** काँसे के औज़ारों का खूब उपयोग; ईंटों के **स्तंभ**; **शंकु (कोन)** बनाकर रँगना और दीवारों में लगाना; मूर्तिकला में सफलता; और **कुम्हार का चाक** – जिससे एक साथ बड़े पैमाने पर **एक जैसे बर्तन** बनने लगे (युगांतरकारी परिवर्तन)।

मोहर : एक शहरी शिल्प-कृति

*भारत में पत्थर की मोहरों पर चिह्न अंकित होते थे; पर मेसोपोटामिया में **पहली सहस्राब्दी ई.पू. के अंत तक पत्थर की बेलनाकार मोहरें** – बीच में आर-पार छिदी – एक तीली लगाकर **गीली मिट्टी पर घुमाई** जाती थीं, जिससे लगातार चित्र बनता। इन पर मालिक का नाम, इष्टदेव का नाम, पदीय स्थिति आदि होती। गठरी या बर्तन के मुँह पर चिकनी मिट्टी लीप कर मोहर घुमाई जाती – **सामान सुरक्षित** रहता; पत्र पर घुमाने से वह **प्रामाणिकता** का प्रतीक बन जाती।*

12 शहरी जीवन – समाज, परिवार और उर नगर

- नगरों की सामाजिक व्यवस्था में **उच्च या संभ्रांत वर्ग** का उदय हो चुका था – धन-दौलत का ज़्यादातर हिस्सा छोटे वर्ग में केंद्रित था। **उर** की राजाओं-रानियों की कब्रों में **बहुमूल्य चीज़ें** (आभूषण, सोने के पात्र, लाजवर्द जड़े वाद्य यंत्र, सोने के खंजर) दफ़नाई मिलीं। आम आदमी की स्थिति भिन्न थी।
- **परिवार :** कानूनी दस्तावेज़ों से पता चलता है कि **एकल परिवार** (पुरुष, पत्नी, बच्चे) को आदर्श माना जाता था; शादीशुदा बेटा अक्सर माता-पिता के साथ रहता। **पिता परिवार का मुखिया** होता था।
- **विवाह :** विवाह की इच्छा की **घोषणा** की जाती; वधू के माता-पिता **सहमति** देते; वर पक्ष वधू को **उपहार** देता; रस्म के बाद दोनों पक्षों की ओर से उपहारों का आदान-प्रदान, **साथ भोजन**, फिर **मंदिर में भेंट**। वधू को पिता द्वारा **दाय** (पशुधन, खेत आदि) दिया जाता; पिता का घर पुत्रों को मिलता।

उर नगर – नियोजन की झलक (1930 के दशक की खुदाई)

- **टेढ़ी-मेढ़ी, संकरी गलियाँ** – पहिए वाली गाड़ियाँ अनेक घरों तक नहीं पहुँच सकती थीं; अनाज के बोरे और ईंधन के गट्ठे **गधों** से लाए जाते थे।
- घरों के भूखंडों का आकार एक जैसा नहीं – नगर-नियोजन का अभाव।
- **जल-निकासी :** नालियाँ और मिट्टी की नलिकाएँ घरों के **भीतरी आँगन** में – छतों का ढलान भीतर की ओर; पानी आँगन के **हौज़** में जाता। (मोहनजोदड़ो में नालियाँ **गलियों के किनारे** थीं।)
- लोग कूड़ा **गलियों में** डालते – गलियों की सतह ऊँची उठती; इसलिए **दहलीज़ें** भी ऊँची उठानी पड़तीं।
- कमरों में रोशनी **खिड़कियों से नहीं, आँगन में खुलने वाले दरवाज़ों** से आती – इससे **गोपनीयता (privacy)** बनी रहती।
- **अंधविश्वास :** ऊँची दहलीज़ → धन-दौलत; सामने का दरवाज़ा दूसरे घर की ओर न खुले → सौभाग्य; मुख्य दरवाज़ा बाहर की ओर खुले → पत्नी पति के लिए यंत्रणा।
- **कब्रिस्तान** में शासकों व जन-साधारण की समाधियाँ; कुछ लोग **घरों के फ़र्श के नीचे** भी दफ़नाए मिले।

13 पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर – मारी

- **2000 ई.पू.** के बाद **मारी** नगर शाही राजधानी के रूप में खूब फला-फूला। यह **ऊपरी (उत्तरी) क्षेत्र** में था, जहाँ **खेती और पशुपालन साथ-साथ** चलते थे – अधिकांश भाग भेड़-बकरी चराने के काम में आता था।
- **पशुचारक और किसान :** पशुचारक अनाज, धातु के औज़ार आदि के बदले **पशु, पनीर, चमड़ा, माँस** देते; **गोबर की खाद** किसानों के काम की थी। पर झगड़े भी होते – गड़रिये भेड़-बकरियाँ बोए खेतों से ले जाते; खानाबदोश गड़रिये कभी **गाँवों पर हमला** कर माल लूट लेते; बस्तियों के लोग भी पशुचारकों का रास्ता रोक देते।
- पशुचारक पश्चिमी मरुस्थल से झुंड लेकर आते, फ़सल काटने वाले **मज़दूर या भाड़े के सैनिक** बनते, समृद्ध होकर बस जाते – कुछ ने अपना **शासन** भी स्थापित किया। ये **अक्कदी, एमोराइट, असीरियाई और आर्मीनियन** जाति के थे।
- **मारी के राजा एमोराइट** थे; उनकी पोशाक वहाँ के मूल निवासियों से भिन्न थी। उन्होंने मेसोपोटामिया के देवताओं का आदर किया और **स्टेपी के देवता डैगन (Dagan)** के लिए मंदिर बनवाया। इस प्रकार **भिन्न-भिन्न समुदायों के परस्पर मिश्रण** से सभ्यता में **जीवन-शक्ति** उत्पन्न हुई।

ज़िमरीलिम का राजमहल, मारी (1810–1760 ई.पू.)

- शाही परिवार का निवास + **प्रशासन व उत्पादन** (विशेषतः कीमती धातुओं के आभूषण) का मुख्य केंद्र; क्षेत्रफल **2.4 हैक्टेयर**, **260 कक्ष**।
- सिर्फ़ **एक ही प्रवेश द्वार** – उत्तर की ओर; विशाल खुले **प्राँगण** (जैसे 131) सुंदर पत्थरों से जड़े; **कमरा-132** में राजा विदेशी अतिथियों से मिलता और भित्ति-चित्र देखकर आगंतुक हतप्रभ रह जाते।
- इतना प्रसिद्ध कि **उत्तरी सीरिया का एक छोटा राजा** इसे देखने आया – ज़िमरीलिम के नाम परिचय-पत्र लेकर।
- भोजन : आटा, रोटी, माँस, मछली, फल, मदिरा, **बीयर**; सफ़ेद पत्थर जड़े **आँगन (106)** में बैठकर भोजन।

- मारी के राजाओं को **सदा सतर्क** रहना पड़ता – चरवाहों को चलने-फिरने की इजाज़त थी पर **कड़ी नज़र** रखी जाती। एक पदाधिकारी ने आग के संकेत देखकर **हमले की योजना** का संदेह जताया था।
- **व्यापार :** मारी **फ़रात** के रास्ते लकड़ी, ताँबा, राँगा, तेल, मदिरा आदि के जलपोतों का **पड़ाव** था – दक्षिणी नगरों और तुर्की-सीरिया-लेबनान के ऊँचे इलाकों के बीच। अधिकारी लदे माल की जाँच करते और **लगभग 10% प्रभार** वसूलते (एक नाव में **300 मदिरा के पीपे**)।
- **साइप्रस के द्वीप 'अलाशिया'** से आए **ताँबे** का उल्लेख मिला है। **राँगे** का व्यापार भी होता था, क्योंकि काँसा औज़ार, हथियार बनाने का मुख्य औद्योगिक पदार्थ था। मारी सैनिक रूप से सबल नहीं था, पर **व्यापार और समृद्धि** में अद्वितीय।

मेसोपोटामिया के नगरों की खुदाई – अब का तरीका

पहले बड़े-बड़े इलाकों की खुदाई होती थी; अब **कम खुदाई, अधिक सूक्ष्म अध्ययन**। उदाहरण **अबू सलाबिख** (लगभग 2500 ई.पू., 10 हैक्टेयर, आबादी 10,000 से कम) – दीवारों की रूपरेखा उकेरी गई; मिट्टी की **छानबीन** से पौधों, मछलियों, पशुओं के अवशेष मिले; **सूअरों** के दाँत मिले – सूअर गलियों में छुट्टे घूमते थे; कमरों के फ़र्श के अध्ययन से पता चला कि किन पर **छत** थी और कौन **खुले आकाश** के नीचे थे।

14 मेसोपोटामिया संस्कृति में शहरों का महत्त्व

- मेसोपोटामियावासी **शहरी जीवन को महत्त्व** देते थे जहाँ अनेक समुदायों-संस्कृतियों के लोग साथ-साथ रहते। युद्ध में शहर नष्ट हो जाने पर वे **काव्यों के ज़रिए** उन्हें याद करते।
- शहरों पर गर्व का सबसे मर्मस्पर्शी वर्णन **गिल्गेमिश महाकाव्य** के अंत में है – यह **12 पट्टिकाओं** पर लिखा गया। गिल्गेमिश ने एनमर्कर के बाद **उरुक** पर शासन किया; महान योद्धा, दूर-दूर तक के प्रदेश जीते।
- उसका **वीर मित्र अचानक मर गया** – दुःखी होकर वह **अमरत्व की खोज** में सागरों-महासागरों का चक्कर लगाता रहा, पर सफल न हुआ। हारकर उरुक लौटा; नगर की **चहारदीवारी की पक्की ईंटों** पर नज़र पड़ी – भावविभोर हो उठा।
- वह जनजातीय योद्धा की तरह यह नहीं कहता कि मेरा अंत निश्चित है, पर मेरे **पुत्र जीवित रहेंगे**; बल्कि उसे **अपने नगर में ही सांत्वना** मिलती है, जिसे उसकी प्रजा ने बनाया था।

15 लेखन कला की देन – गणित और कालगणना

- विज्ञान को जीवित रखने के लिए **लिखित दस्तावेज़ों** की ज़रूरत होती है। संभवतः मेसोपोटामिया की दुनिया की सबसे बड़ी देन उसकी **कालगणना और गणित की विद्वत्तापूर्ण परंपरा** है।
- लगभग **1800 ई.पू.** की पट्टिकाओं में **गुणा-भाग की तालिकाएँ, वर्ग, वर्गमूल और चक्रवृद्धि ब्याज** की सारणियाँ मिली हैं।

2 का वर्गमूल = $1 + 24/60 + 51/60^2 + 10/60^3 \approx 1.41421296$ (सही मान 1.41421356)

- **आज की रोज़मर्रा की ज़िंदगी** में अचेतन रूप से मौजूद विभाजन – **1 वर्ष = 12 महीने, 1 महीना = 4 हफ़्ते, 1 दिन = 24 घंटे, 1 घंटा = 60 मिनट** – मेसोपोटामियावासियों से ही मिला है।
- यह कालविभाजन **सिकंदर के उत्तराधिकारियों** ने अपनाया → **रोम** → **इस्लाम की दुनिया** → **मध्ययुगीन यूरोप**।
- **सूर्य-चंद्र ग्रहण** का हिसाब वर्ष-मास-दिन के अनुसार रखा जाता; रात में **तारों और तारामंडल** की स्थिति पर नज़र रखी जाती।
- यह सब **लेखन कला और विद्यालयों** के बिना संभव न होता – जहाँ विद्यार्थी पुरानी पट्टिकाएँ **पढ़ते और नकल** करते थे और कुछ छात्र **लेखाकार** बनाए जाते थे।

16 एक पुराकालीन पुस्तकालय – असुरबनिपाल

- **असीरियाई साम्राज्य** (720–610 ई.पू.) लोहा-युग में उन्नति के शिखर पर रहा – मिस्र तक फैला। अर्थव्यवस्था **लूटमार** की थी – अधीनस्थ प्रजाजनों से खाद्य-सामग्री, पशु, धातु, शिल्प की वस्तुएँ **बेगार और नज़राने** के रूप में ली जाती थीं।
- असीरियाई शासक दक्षिणी क्षेत्र **बेबीलोनिया** को उच्च संस्कृति का केंद्र मानते थे। आख़िरी बड़े राजा **असुरबनिपाल** (668–627 ई.पू.) ने उत्तर की राजधानी **निनवै** में **पुस्तकालय** स्थापित किया।
- उसने **इतिहास, महाकाव्य, शकुन साहित्य, ज्योतिष, स्तुतियाँ और कविताओं** की पट्टिकाएँ इकट्ठा करने का प्रयत्न किया; **लिपिकों को दक्षिण भेजकर** पुरानी पट्टिकाओं का पता लगाया।
- बेबीलोनिया में **विद्यालयों** में लिपिकों को पढ़ाया जाता; **1800 ई.पू.** के बाद सुमेरियन बोलचाल की भाषा न रही, पर शब्दावलियों, संकेत-सूचियों और **द्विभाषी (सुमेरी-अक्कदी) पट्टिकाओं** से पढ़ाई जाती। इसलिए **650 ई.पू. में भी 2000 ई.पू. की पट्टिकाएँ** पढ़ी जा सकती थीं।
- **गिल्गेमिश** जैसे महाकाव्यों की प्रतियाँ बनीं; नकलकर्ता अपना **नाम और तिथि** लिखते थे। पट्टिकाओं को **मिट्टी के लेबल** से अंकित कर सूचीबद्ध किया गया। कुल **1000 मूलग्रंथ** और लगभग **30,000 पट्टिकाएँ** – विषयानुसार वर्गीकृत।

असुरबनिपाल का अभिलेख

'मैं असुरबनिपाल, ब्रह्मांड का सम्राट, असीरिया का शासक, जिसे देवताओं ने विशाल बुद्धि प्रदान की... मैंने पट्टिकाओं की जाँच की और उन्हें संगृहीत किया। मैंने उन्हें निनवै स्थित अपने इष्टदेव नाबू के मंदिर के पुस्तकालय में भविष्य में उपयोग के लिए रख दिया – अपने जीवन के लिए, अपनी आत्मा के कल्याण के लिए और अपने शाही सिंहासन की नींव को मजबूत बनाए रखने के लिए... ।'

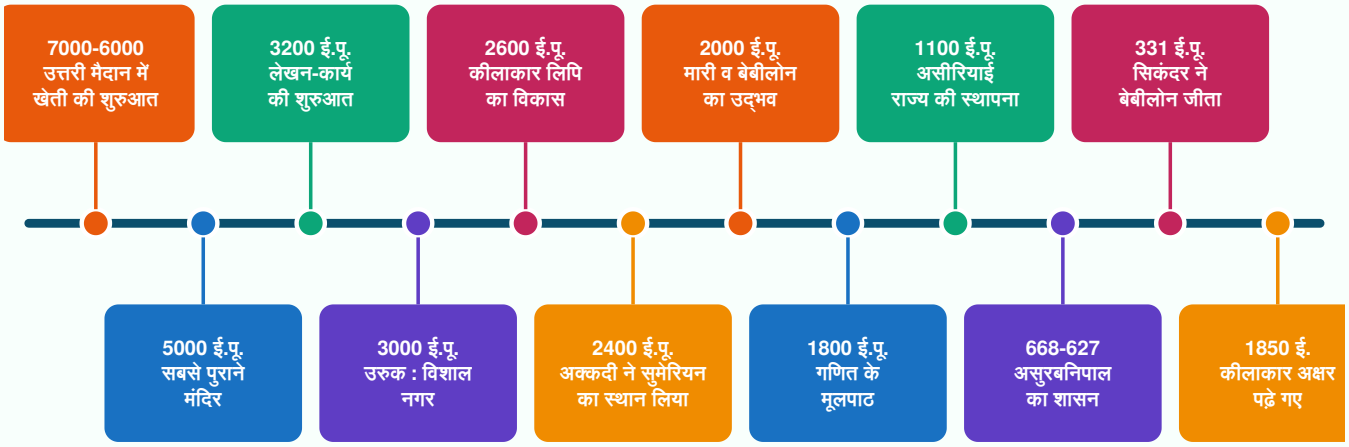
17 और, एक आरंभिक पुरातत्त्ववेत्ता – बेबीलोन

- **नैबोपोलास्सर** ने **625 ई.पू.** में बेबीलोनिया को असीरियाई आधिपत्य से मुक्त कराया; उत्तराधिकारियों ने राज्य का विस्तार और बेबीलोन में भवन-निर्माण किया।
- बेबीलोन **539 ई.पू.** में ईरान के **एकेमेनिड** लोगों द्वारा विजित होने और **331 ई.पू.** में **सिकंदर** से पराजित होने तक दुनिया का प्रमुख नगर रहा – **850 हैक्टेयर** से अधिक क्षेत्र, **तिहरी चहारदीवारी**, बड़े राजमहल-मंदिर, **ज़िगुरत (सीढ़ीदार मीनार)** और शोभायात्रा का विस्तृत मार्ग; गणितज्ञों-खगोलविदों ने अनेक नयी खोजें कीं।
- **नैबोनिडस** बेबीलोन का **अंतिम शासक** था – उर के नगर-देवता ने सपने में दर्शन दिए और उर के कार्यभार हेतु **महिला पुरोहित (Priestess)** नियुक्त करने का आदेश दिया। उसने बहुत पुराने राजा (लगभग **1150 ई.पू.**) का **पट्टलेख (स्टेल)** खोजकर उस पर बनी महिला पुरोहित की आकृति-वेशभूषा को ध्यान से देखा और **अपनी पुत्री को वैसी ही वेशभूषा** में पुरोहित बनाया।

- एक अन्य अवसर पर **सारगोन** (अक्कद का राजा; शासनकाल लगभग **2370 ई.पू.**) के नाम की टूटी मूर्ति लाई गई – नैबोनिडस ने **कुशल शिल्पियों से खंडित सिर की मरम्मत** करवाई। वह अतीत की परंपराओं को सँजोने वाला **आरंभिक पुरातत्त्ववेत्ता** था।

B एक नज़र में – Quick Revision

18 समय-रेखा (मेसोपोटामिया)



चित्र 7 – मेसोपोटामिया की प्रमुख तिथियाँ

काल-रेखा (पाठ्यपुस्तक)

7000–6000	उत्तरी मेसोपोटामिया के मैदानों में खेती की शुरुआत
5000	दक्षिणी मेसोपोटामिया में सबसे पुराने मंदिरों का बनना
3200	मेसोपोटामिया में लेखन-कार्य की शुरुआत
3000	उरुक का विशाल नगर के रूप में विकास; काँसे के औज़ारों में बढ़ोतरी
2700–2500	आरंभिक राजाओं का शासनकाल – गिल्गेमिश जैसे पौराणिक राजा भी शामिल
2600	कीलाकार लिपि का विकास
2400	सुमेरियन के स्थान पर अक्कदी भाषा का प्रयोग
2370	सारगोन, अक्कद सम्राट
2000	सीरिया, तुर्की व मिस्र तक कीलाकार लिपि का प्रसार; मारी व बेबीलोन का उद्भव
1800	गणितीय मूलपाठों की रचना; सुमेरियन बोलचाल की भाषा नहीं रही
1100	असीरियाई राज्य की स्थापना
1000	लोहे का प्रयोग
720–610	असीरियाई साम्राज्य
668–627	असुरबनिपाल का शासन
331	सिकंदर ने बेबीलोन को जीत लिया
पहली शताब्दी ई.	अक्कदी भाषा और कीलाकार लिपि प्रयोग में रहीं
1850	कीलाकार लिपि के अक्षरों को पहचाना व पढ़ा गया

19 कालक्रम एक – क्षेत्रवार चुनिंदा घटनाएँ (6 लाख वर्ष पूर्व – 1 ई.पू.)

क्षेत्र	प्रमुख घटनाएँ
अफ़्रीका	ऑस्ट्रेलोपिथिकस के जीवाश्म (56 लाख वर्ष पूर्व); अग्नि के साक्ष्य (14 लाख); होमो सैपियंस (195,000 वर्ष पूर्व); गुफा चित्रकारी (27,500); 7000–6000 ई.पू. पशु-कुत्ते पालतू; 4000–3000 गधा पालतू, ज्वार-बाजरा, ताँबा; 3000–2000 हल, प्रथम राजवंश, नगर, पिरामिड, कैलेंडर, पैपाइरस (मिस्र); 900–800 कार्थेज; 332 ई.पू. सिकंदरिया
यूरोप	अग्नि के साक्ष्य (400,000 वर्ष पूर्व); होमो सैपियंस (40,000); गुफा चित्रकारी (फ्रांस, स्पेन); 6000–5000 गेहूँ-जौ की खेती (यूनान); ताँबा (क्रीट); घोड़ा पालतू; 2000–1900 नगर, महल, काँसा, कुम्हार का चाक (क्रीट); 1100–1000 लोहा; 776 ई.पू. पहला ओलंपिक; सिक्के (यूनान); रोम गणराज्य (510 ई.पू.); एथेंस में 'प्रजातंत्र'; सिकंदर (336–323)
एशिया	अग्नि का प्रयोग (700,000 वर्ष पूर्व, चीन); होमो सैपियंस (100,000, प. एशिया); कुत्ता पालतू (14,000); भेड़-बकरी, गेहूँ-जौ (8000–7000); कपास (दक्षिण एशिया); कुम्हार का चाक, पहिया (3600 ई.पू.), **लेखन (3200 ई.पू., मेसोपोटामिया)**, काँसा; रेशम (चीन); 1600–1500 शांग राजवंश; लोहा; 546 ई.पू. फ़ारसी साम्राज्य; कन्फ़्यूशियस; 221 ई.पू. चीन में साम्राज्य, विशाल दीवार
दक्षिण एशिया	रिवात पाषाणकालीन स्थल (19 लाख वर्ष पूर्व, पाकिस्तान); भीमबैटका के गुफा चित्र; होमो सैपियंस (25,500, श्रीलंका); बलूचिस्तान में कृषि-बस्तियाँ (7000–6000); ताँबा; **हड़प्पाकालीन नगर, लिपि (≈2700 ई.पू.)**; ऋग्वेद; लोहा, महापाषाण; नगर-राज्य, सिक्के, जैन-बौद्ध धर्म; मौर्य साम्राज्य (≈321 ई.पू.)
अमरीका	होमो सैपियंस (12,000 वर्ष पूर्व); कुम्हड़ा (7000–6000); सेम (5000–4000); कपास, लौकी; गिनी पिग, टर्की, मक्का (3000–2000); आलू, मिर्च, कसावा, मूँगफली, लामा, ऐल्पेका (2000–1900); मैक्सिको में ओल्मेक बस्तियाँ (1200–1100); चित्रात्मक लिपि (1000–900)
ऑस्ट्रेलिया / प्रशांत	होमो सैपियंस, समुद्र-यात्रा के प्राचीनतम संकेत (45,000 वर्ष पूर्व); चित्रकला (20,000); पोलिनेशिया और माइक्रोनेशिया में बस्तियाँ (1200–1100)

20 प्रमुख राजा, नगर और स्थल

नाम	काल / पहचान	महत्त्व
एनमर्कर	उरुक का शासक (महाकाव्य)	अरट्टा को दूत भेजा; मिट्टी पर शब्द लिखकर संदेश दिया
गिल्गेमिश	उरुक का राजा (≈2700–2500 ई.पू.)	गिल्गेमिश महाकाव्य (12 पट्टिकाएँ)
सारगोन	≈2370 ई.पू.; अक्कद सम्राट	नैबोनिडस ने उसकी टूटी मूर्ति की मरम्मत कराई
ज़िमरीलिम	मारी का राजा; 1810–1760 ई.पू.	विशाल राजमहल (260 कक्ष, 2.4 हैक्टेयर)
असुरबनिपाल	668–627 ई.पू.; असीरिया	निनवै का पुस्तकालय; ≈30,000 पट्टिकाएँ
नैबोपोलास्सर	625 ई.पू.	बेबीलोनिया को असीरियाई आधिपत्य से मुक्त कराया
नैबोनिडस	बेबीलोन का अंतिम शासक	आरंभिक पुरातत्त्ववेत्ता; पुत्री को पुरोहित बनाया
उरुक	दक्षिण; 4200 ई.पू.–400 ई.	लेखन का आरंभ, वार्का शीर्ष, 250→400 हैक्टेयर
उर	दक्षिण; चंद्र देवता का नगर	राजाओं की कब्रें; 1930 के दशक में खुदाई
मारी	उत्तर/ऊपरी क्षेत्र; 2000 ई.पू. के बाद	पशुचारक क्षेत्र का व्यापारिक नगर; राजा एमोराइट
बेबीलोन	2000 ई.पू. के बाद; 331 में सिकंदर ने जीता	850 हैक्टेयर; ज़िगुरत; तिहरी चहारदीवारी
निनवै	असीरिया की राजधानी	असुरबनिपाल का पुस्तकालय
अबू सलाबिख	≈2500 ई.पू.; 10 हैक्टेयर	आधुनिक खुदाई-पद्धति का उदाहरण

21 तुलना तालिका

आधार	उर नगर	मोहनजोदड़ो
गलियाँ	टेढ़ी-मेढ़ी, संकरी; पहिए वाली गाड़ियाँ नहीं	—
जल-निकासी	घरों के **भीतरी आँगन** के हौज़ में	**गलियों के किनारे** नालियाँ
नगर-नियोजन	भूखंड अलग-अलग आकार; नियोजन का अभाव	सुनियोजित (पाठ के संदर्भ में)

आधार	दक्षिणी मेसोपोटामिया	उत्तरी / ऊपरी क्षेत्र (मारी)
भूमि	रेगिस्तान + सिंचित उपजाऊ मैदान	स्टेपी, पहाड़ी ढाल, वर्षा-सिंचित
आजीविका	सिंचित खेती (गेहूँ, जौ), खजूर, मछली	भेड़-बकरी पालन + खेती
नगर	मंदिर-केंद्रित (उरुक, उर)	व्यापारिक/शाही (मारी)
लोग	मंदिर, राजा, श्रमिक	किसान, गड़रिये (एमोराइट शासक)

याद रखें – 6 महत्त्वपूर्ण बिंदु

- मेसोपोटामिया = **फ़रात–दज़ला** के बीच की धरती; आधुनिक **इराक**।
- पहली पट्टिकाएँ **3200 ई.पू.** (उरुक); कीलाकार लिपि **2600 ई.पू.** तक।
- काँसा = **ताँबा + राँगा**; **कांस्य युग ≈ 3000 ई.पू.**
- शहर बसे: **उपजाऊ खेती + जल-परिवहन + व्यापार + श्रम-विभाजन + संगठन (मंदिर, राजा)**।
- मारी – **एमोराइट राजा**, **ज़िमरीलिम का महल (260 कक्ष)**।
- असुरबनिपाल का पुस्तकालय – **निनवे**; ≈**30,000** पट्टिकाएँ।



चित्र 8 – अध्याय का माइंड-मैप

C 20 बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQ) + उत्तर कुंजी

1 'मेसोपोटामिया' शब्द का क्या अर्थ है ?

(a) पर्वतों के बीच की भूमि
(b) नदियों के बीच की ऊपजाऊ धरती
(c) समुद्र पार का देश
(d) रेगिस्तान की भूमि

2 मेसोपोटामिया वर्तमान में किस देश का भाग है ?

(a) सीरिया
(b) तुर्की
(c) इराक
(d) ईरान

3 मेसोपोटामिया की सबसे पहली ज्ञात भाषा कौन-सी थी ?

(a) सुमेरियन
(b) अक्कदी
(c) अरामाइक
(d) हिब्रू

4 लगभग 2400 ई.पू. में सुमेरियन का स्थान किस भाषा ने लिया ?

(a) अरामाइक
(b) यूनानी
(c) हिब्रू
(d) अक्कदी

5 मेसोपोटामिया में पुरातात्त्विक खोजों की शुरुआत कब हुई ?

(a) 1740 के दशक में
(b) 1840 के दशक में
(c) 1940 के दशक में
(d) 1640 के दशक में

6 लगभग 3200 ई.पू. की पहली पट्टिकाएँ किस नगर में मिलीं?

(a) मारी
(b) उर
(c) उरुक
(d) बेबीलोन

7 'क्यूनीफ़ार्म' शब्द किन लातिनी शब्दों से बना है ?

(a) क्यूनियस (खूँटी) और फ़ॉर्मा (आकार)
(b) क्यूनियस (नदी) और फ़ॉर्मा (भूमि)
(c) मेसोस और पोटैमोस
(d) सुमेर और अक्कद

8 कीलाकार चिह्न बनाने के लिए किसका प्रयोग होता था ?

(a) सोने की कलम
(b) सरकंडे की तीखी नोक
(c) लोहे की कील
(d) पक्षी का पंख

9 एनमर्कर ने अपना दूत किस देश के शासक के पास भेजा ?

(a) सूसा
(b) मारी
(c) अलाशिया
(d) अरट्टा

10 काँसा किन दो धातुओं के मिश्रण से बनता है ?

(a) ताँबा और राँगा (टिन)
(b) ताँबा और जस्ता
(c) लोहा और ताँबा
(d) चाँदी और सोना

11 मेसोपोटामिया का सबसे पहला ज्ञात मंदिर (लगभग 5000 ई.पू.) किससे बना था ?

(a) पत्थर
(b) लकड़ी
(c) कच्ची ईंटें
(d) संगमरमर

12 इन्नाना किसकी देवी थीं?

(a) कृषि की
(b) प्रेम और युद्ध की
(c) चंद्रमा की
(d) जल की

13 लगभग 3000 ई.पू. में उरुक नगर कितने हैक्टेयर में फैला था ?

(a) 100
(b) 150
(c) 200
(d) 250

14 उर नगर की गलियाँ कैसी थीं?

(a) टेढ़ी-मेढ़ी और संकरी
(b) चौड़ी और सीधी
(c) पक्की और सीधी
(d) नहीं थीं

15 मारी के राजा किस समुदाय के थे ?

(a) सुमेरी
(b) अक्कदी
(c) एमोराइट
(d) असीरियाई

16 ज़िमरीलिम के राजमहल में कितने कक्ष थे ?

(a) 160
(b) 260
(c) 360
(d) 460

17 गिल्गेमिश महाकाव्य कितनी पट्टिकाओं पर लिखा गया ?

(a) 6
(b) 8
(c) 10
(d) 12

18 असुरबनिपाल ने अपना पुस्तकालय किस नगर में स्थापित किया ?

(a) निनवै
(b) बेबीलोन
(c) उर
(d) मारी

19 '1 घंटा = 60 मिनट' का विभाजन हमें किससे मिला ?

(a) यूनानियों
(b) मिस्रवासियों
(c) मेसोपोटामियावासियों
(d) रोमनों

20 नैबोनिडस किस नगर का अंतिम शासक था ?

(a) निनवै
(b) बेबीलोन
(c) उरुक
(d) मारी

उत्तर कुंजी

1. (b)	2. (c)	3. (a)	4. (d)	5. (b)
6. (c)	7. (a)	8. (b)	9. (d)	10. (a)
11. (c)	12. (b)	13. (d)	14. (a)	15. (c)
16. (b)	17. (d)	18. (a)	19. (c)	20. (b)

D 1 अंक के प्रश्न-उत्तर

1 मेसोपोटामिया किन दो नदियों के बीच स्थित है ?

उत्तर : **फ़रात (Euphrates) और दज़ला (Tigris)** के बीच।

2 प्रारंभ में मेसोपोटामिया के शहरीकृत दक्षिणी भाग को क्या कहा जाता था ?

उत्तर : **सुमेर और अक्कद**।

3 2000 ई.पू. के बाद दक्षिणी क्षेत्र को क्या कहा जाने लगा ?

उत्तर : **बेबीलोनिया** (बेबीलोन एक महत्त्वपूर्ण शहर बन गया था)।

4 लगभग 1100 ई.पू. उत्तर में राज्य स्थापित करने वाले लोग कौन थे ?

उत्तर : **असीरियाई** – इसलिए क्षेत्र **असीरिया** कहलाया।

5 मेसोपोटामिया में 1400 ई.पू. से किस भाषा का प्रवेश हुआ ?

उत्तर : **अरामाइक** भाषा का।

6 बाइबल के किस ग्रंथ में 'शिमार' का उल्लेख है ?

उत्तर : ओल्ड टेस्टामेंट की '**बुक ऑफ़ जेनेसिस**' में।

7 बाइबल की जलप्लावन कथा में परमेश्वर ने किसे चुना ?

उत्तर : **नोआ** (Naoh) को।

8 मेसोपोटामिया की जलप्लावन कथा के मुख्य पात्र का नाम बताइए।

उत्तर : **ज़िउसुद्र** या **उतनापिश्तिम**।

9 मेसोपोटामिया के प्राचीनतम नगर किस युग में बने ?

उत्तर : **कांस्य युग** (लगभग 3000 ई.पू.) में।

10 'वार्का शीर्ष' किस नगर से मिला ?

उत्तर : **उरुक** से (लगभग 3000 ई.पू.)।

11 मेसोपोटामिया में लिखने के लिए किस चीज़ का प्रयोग होता था ?

उत्तर : **चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं** का।

12 मेसोपोटामिया में मोहरें किस आकार की होती थीं?

उत्तर : **बेलनाकार** – बीच में आर-पार छिदी हुई।

13 मेसोपोटामिया के समाज में किस परिवार को आदर्श माना जाता था ?

उत्तर : **एकल परिवार** (पुरुष, पत्नी और बच्चे) को।

14 मारी के देवता का नाम क्या था, जिनके लिए राजा ने मंदिर बनवाया ?

उत्तर : स्टेपी क्षेत्र के देवता **डैगन (Dagan)**।

15 असुरबनिपाल के पुस्तकालय में लगभग कितनी पट्टिकाएँ थीं?

उत्तर : लगभग **30,000** पट्टिकाएँ (1000 मूलग्रंथ)।

E 2 अंक के प्रश्न-उत्तर

1 मेसोपोटामिया की भौगोलिक विविधता बताइए।

उत्तर : उत्तर-पूर्व में हरे-भरे मैदान और पर्वत (पर्याप्त वर्षा, खेती); उत्तर में **स्टेपी घास मैदान** (पशुपालन); पूर्व में ईरान की पहाड़ियों का मार्ग; दक्षिण में **रेगिस्तान**, जहाँ नदियों की उपजाऊ मिट्टी और सिंचाई से नगर बसे।

2 श्रम-विभाजन का क्या अर्थ है ? एक उदाहरण दीजिए।

उत्तर : अलग-अलग लोगों द्वारा **अलग-अलग काम विशेषज्ञता** से करना। उदाहरण – मुद्रा उकेरने वाला कारीगर काँसे के औज़ार स्वयं नहीं बनाता, काँसा बनाने वाला ताँबा-राँगा लाने खुद नहीं जाता।

3 कीलाकार लिपि क्या थी ?

उत्तर : गीली चिकनी मिट्टी की पट्टिका पर **सरकंडे की तीखी नोक** से बनाए गए **कील जैसे चिह्न**; ये चिह्न **अक्षरों (Syllables)** के लिए होते थे। (क्यूनियस = खूँटी, फ़ॉर्मा = आकार)

4 शहरी अर्थव्यवस्था में जल-परिवहन का क्या महत्त्व था ?

उत्तर : भारवाही पशुओं से माल ढोना महँगा व समय-साध्य था। **जलमार्ग सबसे सस्ता** था – नावें-बजरे नदी की धारा या हवा से चलते थे; इसलिए नहरें और **फ़रात** व्यापार का 'विश्व-मार्ग' बनीं।

5 मेसोपोटामिया के मंदिर किस प्रकार देवता के 'घर' थे ?

उत्तर : मंदिर खुले **आँगन के चारों ओर कमरों** वाले साधारण घर जैसे थे; देवता के लिए **अन्न, दही, मछली** लाई जाती थी। देवता खेतों, मत्स्य-क्षेत्रों और पशुधन के स्वामी माने जाते थे।

6 मेसोपोटामिया में बेलनाकार मोहर का क्या उपयोग था ?

उत्तर : गीली मिट्टी पर घुमाने से **चित्र/लेख की छाप** बनती थी; गठरी या बर्तन के मुँह पर मोहर लगाकर वस्तुएँ **सुरक्षित** रखी जातीं; पत्र पर घुमाने से वह **प्रामाणिकता** का प्रतीक बन जाती।

7 उर नगर की जल-निकासी व्यवस्था का वर्णन कीजिए।

उत्तर : घरों की छतों का ढलान **भीतर आँगन** की ओर था; नालियाँ और मिट्टी की नलिकाएँ आँगन में थीं और पानी **हौज़** में जाता था – ताकि तेज़ वर्षा में बाहर की कच्ची गलियाँ कीचड़ से न भरें।

8 मेसोपोटामिया की दो प्रमुख देन बताइए।

उत्तर : **कालगणना और गणित** – 1 वर्ष = 12 महीने, 1 घंटा = 60 मिनट; वर्ग, वर्गमूल, चक्रवृद्धि ब्याज की सारणियाँ; और **लेखन कला**।

F 4 अंक के प्रश्न-उत्तर + केस आधारित प्रश्न

1 मेसोपोटामिया के भूगोल ने वहाँ शहरीकरण में कैसे सहायता की ?

उत्तर : (i) **फ़रात-दज़ला** उत्तरी पहाड़ों से **उपजाऊ बारीक मिट्टी** लाती थीं, जो बाढ़/सिंचाई से खेतों में जमा होती। (ii) **सिंचाई की नहरें** – धाराओं से गेहूँ-जौ-मटर-मसूर की भरपूर उपज। (iii) **भेड़-बकरी** (माँस, दूध, ऊन), **मछलियाँ** और **खजूर** से अतिरिक्त भोजन। (iv) **जलमार्ग** से सस्ता परिवहन। (v) खनिज की कमी ने **व्यापार** को जन्म दिया। अतः रेगिस्तान में भी शहरों के पोषण की क्षमता थी – पर केवल ग्रामीण समृद्धि ही कारण नहीं थी।

2 मेसोपोटामिया में लेखन कला का विकास कैसे और क्यों हुआ ?

उत्तर : क्यों : शहरी जीवन में लेन-देन अलग समय पर, कई लोगों द्वारा और कई प्रकार के माल के होते थे – **स्थायी हिसाब** ज़रूरी हुआ। **कैसे :** लगभग 3200 ई.पू. उरुक में चिकनी मिट्टी की पट्टिकाओं पर **चित्र-चिह्न और संख्याएँ** (बैल, मछली, रोटी की 5000 सूचियाँ); फिर 2600 ई.पू. तक **कीलाकार** अक्षर – सरकंडे की नोक से गीली पट्टिका पर; धूप में सुखाकर पक्की। बाद में शब्द-कोश, भूमि हस्तांतरण, कानूनों और राजाओं के कार्यों के लिए भी लेखन होने लगा।

3 मंदिर शहरी जीवन की मुख्य संस्था कैसे बन गए ?

उत्तर : आरंभ में मंदिर **देवता के घर** थे – पूजा का केंद्र; लोग अन्न, दही, मछली चढ़ाते। देवता को खेतों, मत्स्य क्षेत्रों, पशुधन का स्वामी माना जाता। धीरे-धीरे उपज से तेल निकालना, अनाज पीसना, कातना-बुनना मंदिर में होने लगा; व्यापारियों के नियोक्ता, अन्न-पशु-शराब-मछली के **आवंटन व वितरण** के **लिखित अभिलेखों** के पालक के रूप में मंदिर मुख्य **शहरी संस्था** बन गए। विजेता मुखियाओं की भेंटों से भी मंदिरों की संपदा बढ़ी।

4 उर नगर के नियोजन और घरों की विशेषताएँ बताइए।

उत्तर : गलियाँ टेढ़ी-मेढ़ी व संकरी – पहिए वाली गाड़ियाँ नहीं जा सकती थीं, **गधों** से माल आता। भूखंडों का आकार एक जैसा नहीं। **जल-निकासी** भीतर आँगन के हौज़ में (मोहनजोदड़ो में गलियों के किनारे)। कूड़ा गलियों में डालने से गलियाँ ऊँची हो जाती – **दहलीज़ें** ऊँची उठानी पड़तीं। कमरों में रोशनी **आँगन में खुले दरवाज़ों** से – **गोपनीयता** रहती। शकुन-अपशकुन के अंधविश्वास थे; कब्रिस्तान के साथ कुछ लोग घरों के फ़र्श के नीचे दफ़नाए जाते।

5 पशुचारक क्षेत्र में स्थित मारी नगर का महत्त्व बताइए।

उत्तर : व्यापारिक महत्त्व : फ़रात पर पड़ाव – लकड़ी, ताँबा, राँगा, तेल, मदिरा के पीपे; अधिकारी माल जाँचकर **≈10% प्रभार** वसूलते; साइप्रस (अलाशिया) का ताँबा। **सामाजिक मेल :** एमोराइट राजा, पशुचारक-किसान; मूल देवताओं और स्टेपी देवता **डैगन** का सम्मान। **राजमहल :** ज़िमरीलिम का 260 कक्षों वाला महल – प्रशासन व उत्पादन का केंद्र। सैनिक रूप से कमज़ोर, पर **व्यापार और समृद्धि** में अद्वितीय।

★ केस आधारित प्रश्न – 1

अनुच्छेद – एनमर्कर और अरट्टा

'...राजा एनमर्कर ने अपने हाथ से चिकनी मिट्टी की पट्टिका बनाई और उस पर शब्द लिख दिए। उन दिनों मिट्टी पर शब्द लिखने का रिवाज़ नहीं था। जब लिखी हुई पट्टिका दूत ने अरट्टा के शासक के हाथों में दी, तो उसने उसकी जाँच की। उच्चरित शब्द कील यानी कीलाकार शब्द थे। उसे देखते ही उसकी त्योरियाँ चढ़ गईं।'

- (i) एनमर्कर किस नगर का शासक था ? **(1)** → **उरुक** का।
- (ii) उसने अरट्टा के पास दूत क्यों भेजा था ? **(1)** → मंदिर सजाने के लिए **लाजवर्द व अन्य बहुमूल्य रत्न-धातुएँ** मँगाने।
- (iii) राजा ने स्वयं पट्टिका क्यों बनाई ? **(2)** → दूत यात्राओं से चकरा गया और संदेश **ठीक से व्यक्त न कर सका / घालमेल** कर दिया; तब राजा ने **लिखित संदेश** भेजा।
- (iv) इस कथा से हमें क्या पता चलता है ? **(2)** → विचारधारा में **सर्वप्रथम राजा ने ही व्यापार और लेखन की व्यवस्था** की; लेखन सूचना भेजने का साधन था और शहरी संस्कृति की उत्कृष्टता का प्रतीक।

★ केस आधारित प्रश्न – 2

अनुच्छेद – असुरबनिपाल का पुस्तकालय

'...असुरबनिपाल ने इतिहास, महाकाव्य, शकुन साहित्य, ज्योतिष विद्या, स्तुतियों और कविताओं की पट्टिकाओं को इकट्ठा करने का बहुत प्रयत्न किया और सफल रहा। उसने अपने लिपिकों को दक्षिण में पुरानी पट्टिकाओं का पता लगाने के लिए भेजा... असुरबनिपाल के पुस्तकालय में कुल मिलाकर 1000 मूलग्रंथ थे और लगभग 30,000 पट्टिकाएँ जिन्हें विषयानुसार वर्गीकृत किया गया था।'

- (i) असुरबनिपाल कौन था और उसका पुस्तकालय कहाँ था ? **(1)** → **असीरिया** का शासक (668–627 ई.पू.); पुस्तकालय राजधानी **निनवे** में।
- (ii) उसने लिपिकों को दक्षिण क्यों भेजा ? **(1)** → दक्षिण (**बेबीलोनिया**) उच्च संस्कृति का केंद्र था; वहाँ विद्यालयों में लिपिक पट्टिकाओं की **नकलें** बनाते थे।
- (iii) 650 ई.पू. में भी 2000 ई.पू. की पट्टिकाएँ क्यों पढ़ी जा सकती थीं ? **(2)** → विद्यालयों में **शब्दावलियों, संकेत-सूचियों और द्विभाषी (सुमेरी-अक्कदी) पट्टिकाओं** से पुरानी लिपि पढ़ाई जाती थी।
- (iv) पुस्तकालय के कार्यों से उसके बारे में क्या पता चलता है ? **(2)** → अतीत की **बौद्धिक विरासत** को खोजने, संजोने और सूचीबद्ध करने की रुचि; **ज्ञान के संरक्षण** का महत्त्व।

G 6 अंक के प्रश्न-उत्तर (भूमिका – बिंदु – निष्कर्ष)

1 शहरीकरण का महत्त्व समझाइए। मेसोपोटामिया में शहरों के विकास में कौन-से कारक सहायक थे?

भूमिका

शहर केवल रहने के स्थान नहीं होते – वे खाद्य उत्पादन के अलावा **व्यापार, उत्पादन व सेवाओं** के केंद्र होते हैं। मेसोपोटामिया में पहले शहर बने।

मुख्य बिंदु

- **उपजाऊ मिट्टी व सिंचाई** से अधिशेष अनाज; पशुपालन, मछली, खजूर।
- **श्रम-विभाजन** – कारीगर, व्यापारी, लिपिक; सब एक-दूसरे पर आश्रित।
- **खनिज के अभाव** से दूरस्थ **व्यापार** और उसके लिए सामाजिक संगठन; **जल-परिवहन** सबसे सस्ता।
- **मंदिर और राजा** – संसाधन जुटाना, श्रम की अनिवार्यता, सेना, भंडारण-वितरण।
- **लिखित हिसाब-किताब** – लेखन कला का जन्म।

निष्कर्ष

इस प्रकार प्राकृतिक उर्वरता, व्यापार, संगठन (मंदिर-राजा) और लेखन के संयुक्त प्रभाव से शहर बने।

2 मेसोपोटामिया में लेखन कला – विकास, प्रणाली और उपयोग – की चर्चा कीजिए।

भूमिका

मेसोपोटामिया में लगभग 3200 ई.पू. में **लेखन-कार्य** शुरू हुआ और यह शहरी जीवन से घनिष्ठ रूप से जुड़ा था।

मुख्य बिंदु

- **शुरुआत :** उरुक की पट्टिकाओं पर चित्र-संकेत व संख्याएँ; बैल, मछली, रोटी की 5000 सूचियाँ – लेन-देन का हिसाब।
- **प्रणाली :** गीली मिट्टी की पट्टिका + सरकंडे की नोक = **कीलाकार** चिह्न; चिह्न **अक्षर (Syllable)** के लिए; सैकड़ों चिह्न; सूखने पर नया चिह्न नहीं।
- **विकास :** 2600 ई.पू. तक कीलाकार (सुमेरियन); फिर अक्कदी (ईसवी सन् की पहली शताब्दी तक); शब्द-कोश, कानून, भूमि-हस्तांतरण, राजाओं के कार्य।
- **साक्षरता :** बहुत कम लोग पढ़-लिख सकते; विद्यालय, लिपिक, लेखाकार।
- **देन :** गणित व कालगणना (60 मिनट का घंटा, 12 महीने); पुस्तकालय; गिल्गेमिश जैसे महाकाव्य सुरक्षित।

निष्कर्ष

लेखन ने हिसाब, प्रशासन, ज्ञान और साहित्य को स्थायी रूप दिया – यह मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन है।

3 दक्षिणी मेसोपोटामिया के शहरीकरण में मंदिर और राजा की क्या भूमिका थी ?

भूमिका

5000 ई.पू. से दक्षिणी मेसोपोटामिया में बस्तियाँ बनीं; कुछ **मंदिरों के चारों ओर**, कुछ व्यापार के केंद्र और कुछ शाही शहर बने।

मुख्य बिंदु

- **मंदिर :** कच्ची ईंटों के छोटे देवालय से बड़े मंदिर; देवता खेतों-पशुधन के स्वामी; अन्न-दही-मछली की भेंट; उपज प्रसंस्करण, भंडारण, वितरण, **लिखित अभिलेख** → मुख्य शहरी संस्था।
- **संघर्ष व नेतृत्व :** जल-भूमि के झगड़े; विजयी मुखिया लूट बाँटते, बंदी नौकर बनाते; बाद में समुदाय-कल्याण व **नई संस्थाएँ**।
- **राजा :** देवताओं को भेंट; उत्कृष्ट पत्थर-धातु लाने भेजना; पास बसने के लिए प्रोत्साहन; **सेना**; अनिवार्य श्रम (राशन के बदले); राजा को **ऊँचा स्थान**।
- **उरुक :** 3000 ई.पू. 250 हैक्टेयर; 2800 ई.पू. 400 हैक्टेयर; प्राचीर।
- **तकनीक :** काँसे के औज़ार, ईंट के स्तंभ, शंकु, **कुम्हार का चाक**।

निष्कर्ष

मंदिर और राजा ने संसाधन, श्रम और व्यापार को संगठित कर शहरों का विकास किया।

4 मारी नगर पशुचारक क्षेत्र में एक व्यापारिक नगर कैसे बना ? पशुचारकों और किसानों के संबंधों का वर्णन कीजिए।

भूमिका

2000 ई.पू. के बाद **मारी** शाही राजधानी के रूप में फला-फूला – यह ऊपरी क्षेत्र में था जहाँ खेती और पशुपालन साथ-साथ चलते थे।

मुख्य बिंदु

- **संबंध :** पशुचारक पशु, पनीर, चमड़ा, माँस देते; गोबर की खाद किसानों के काम की; बदले अनाज, धातु के औज़ार।
- **तनाव :** गड़रिये बोए खेतों से भेड़ें ले जाते; कभी गाँवों पर हमला कर लूट; बस्ती वाले भी उनका रास्ता रोकते।
- **मिश्रण :** अक्कदी, एमोराइट, असीरियाई, आर्मीनियन; पशुचारक मज़दूर या सैनिक बनकर बसते; **एमोराइट राजा** ने डैगन देवता का मंदिर बनवाया।
- **राजा की सतर्कता :** चरवाहों पर कड़ी नज़र; आग के संकेतों से संदेह।
- **व्यापार :** फ़रात पर पड़ाव; लकड़ी, ताँबा, राँगा, तेल, मदिरा; ≈10% प्रभार; अलाशिया (साइप्रस) का ताँबा; ज़िमरीलिम का 260 कक्षों वाला महल।

निष्कर्ष

मारी सैनिक दृष्टि से कमज़ोर, पर व्यापार और विविध समुदायों के मेल से अद्वितीय समृद्ध शहर था।

H पाठ्यपुस्तक 'अभ्यास' – सभी प्रश्न उत्तर सहित

1 संक्षेप में उत्तर दीजिए

1 आप यह कैसे कह सकते हैं कि प्राकृतिक उर्वरता तथा खाद्य उत्पादन के उच्च स्तर ही आरंभ में शहरीकरण के कारण थे ?

उत्तर : (i) दक्षिणी मेसोपोटामिया में **फ़रात-दज़ला की उपजाऊ बारीक मिट्टी** और नहरों की सिंचाई से गेहूँ, जौ, मटर, मसूर की **भारी उपज** होती थी – रोम काल तक सबसे ज़्यादा उपज वाली। (ii) भेड़-बकरी, मछली, खजूर से **अतिरिक्त भोजन** मिलता था। (iii) जब खाद्य उत्पादन **पर्याप्त और अतिरिक्त** हुआ, तभी लोग अन्य कामों – व्यापार, उत्पादन, सेवाओं – में लग सके और जनसंख्या घनी होकर **कस्बे/शहर** बसे। (iv) इसीलिए रेगिस्तान में भी शहरों के पोषण की क्षमता थी। **पर** केवल यही कारण नहीं था – व्यापार, जलमार्ग, मंदिर और राजा जैसे कारक भी थे।

2 निम्नलिखित में से कौन-सी आवश्यक दशाएँ थीं जिनकी वजह से प्रारंभ में शहरीकरण हुआ और कौन-कौन-सी बातें शहरों के विकास के फलस्वरूप उत्पन्न हुईं? (क) अत्यंत उत्पादक खेती, (ख) जल-परिवहन, (ग) धातु और पत्थर की कमी, (घ) श्रम-विभाजन, (ङ) मुद्राओं का प्रयोग, (च) राजाओं की सैन्य-शक्ति जिसने श्रम को अनिवार्य बना दिया।

उत्तर :

आवश्यक दशाएँ (शहरीकरण के कारण)	शहरों के विकास के फलस्वरूप उत्पन्न
(क) अत्यंत उत्पादक खेती	**(घ)** श्रम-विभाजन
(ख) जल-परिवहन	**(ङ)** मुद्राओं/मोहरों का प्रयोग
(ग) धातु और पत्थर की कमी – इसने दूरस्थ व्यापार की ज़रूरत पैदा की	**(च)** राजाओं की सैन्य-शक्ति, जिसने श्रम को अनिवार्य बनाया

नोट : (ग) को परिस्थिति/कारण माना गया है, क्योंकि कमी के कारण ही व्यापार व संगठन की आवश्यकता हुई।

3 यह कहना क्यों सही होगा कि खानाबदोश पशुचारक निश्चित रूप से शहरी जीवन के लिए खतरा थे ?

उत्तर : पक्ष में : गड़रिये भेड़-बकरियों को बोए खेतों से ले जाते – फ़सल नष्ट; कभी **गाँवों पर हमला** कर लूट लेते; मारी के राजाओं को उन पर कड़ी नज़र रखनी पड़ती; आग के संकेतों से हमले का संदेह। **पर पूरा सच नहीं :** पशुचारक पशु-उत्पाद, गोबर की खाद देते, मज़दूर या भाड़े के सैनिक बनते, बस जाते और कुछ ने अपना **शासन** भी स्थापित किया (मारी के एमोराइट राजा)। अतः उन्हें 'निश्चित रूप से' खतरा कहना अतिशयोक्ति है – वे शहरों के सहयोगी भी थे।

4 आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि पुराने मंदिर बहुत कुछ घर जैसे ही होंगे ?

उत्तर : (i) सबसे पहला ज्ञात मंदिर **छोटा-सा देवालय** था – कच्ची ईंटों का; (ii) **मंदिर भी किसी देवता का घर** था – साधारण घरों से अलग किस्म के नहीं; (iii) बाद में बड़े हुए पर **खुले आँगन के चारों ओर कई कमरे** – घरों जैसी बनावट; (iv) देवता के लिए **अन्न, दही, मछली** लाई जाती – जैसे घर के सदस्य के लिए भोजन। **अंतर :** मंदिर की बाहरी दीवारें अंतराल पर भीतर-बाहर मुड़ी होती थीं, साधारण घरों की नहीं।

2 संक्षेप में निबंध लिखिए

5 शहरी जीवन शुरू होने के बाद कौन-कौन-सी नयी संस्थाएँ अस्तित्व में आईं? आपके विचार से उनमें से कौन-सी संस्थाएँ राजा की पहल पर निर्भर थीं?

उत्तर : नयी संस्थाएँ : (i) **मंदिर** – आर्थिक/प्रशासनिक केंद्र; (ii) **राजा/राजतंत्र** व सेना; (iii) **लेखन और विद्यालय**, लिपिक/लेखाकार; (iv) **मोहर** व्यवस्था; (v) **श्रम-विभाजन व संगठित व्यापार**; (vi) **कानून** व कानूनी दस्तावेज़; (vii) **पुस्तकालय** (असुरबनिपाल)। **राजा की पहल पर :** सेना, मंदिर-निर्माण व उनमें धन-वितरण, **अनिवार्य श्रम** (राशन के बदले), **दूरस्थ व्यापार का आयोजन** और **लेखन** (एनमर्कर की कथा), नगर की चहारदीवारी, पुस्तकालय।

6 किन पुरानी कहानियों से हमें मेसोपोटामिया की सभ्यता की झलक मिलती है ?

उत्तर : (i) **जलप्लावन की कथा** (ज़िउसुद्र/उतनापिश्तिम; बाइबल के नोआ जैसी) – अतीत के परिवर्तनों की स्मृति; (ii) **एनमर्कर और अरट्टा** का सुमेरियन महाकाव्य – व्यापार, दूतों, लेखन के आरंभ और राजा की भूमिका की झलक; (iii) **गिल्गेमिश महाकाव्य** – नगरों पर गर्व, उरुक की चहारदीवारी, अमरत्व की खोज; (iv) **असुरबनिपाल के अभिलेख** व **नैबोनिडस के वृत्तांत** – पुरानी परंपराओं को संजोना; (v) शकुन-अपशकुन की पट्टिकाएँ – अंधविश्वास।

I क्रियाकलाप – संकेत उत्तर

क्रियाकलाप 1 – जलप्लावन की कथाएँ

प्रश्न : जलप्लावन के बारे में अनेक समाजों में अपनी-अपनी पुराण-कथाएँ प्रचलित हैं... कुछ और जानकारी का पता लगाएँ और बताएँ कि जलप्लावन से पहले और उसके बाद का जनजीवन कैसा रहा होगा।

संकेत : बाइबल (नोआ), मेसोपोटामिया (ज़िउसुद्र/उतनापिश्तिम) और भारत की **मनु-मत्स्य कथा** में बाढ़-कथाएँ मिलती हैं। ये **बड़ी प्राकृतिक आपदाओं** की स्मृति हो सकती हैं। **पहले :** खेती-बस्ती, पशुपालन, नदी-किनारे गाँव। **बाद में :** बस्तियाँ फिर से बसाई गईं (मेसोपोटामिया में गाँव समय-समय पर पुनः स्थापित हुए), नए सिरे से खेती और सिंचाई।

क्रियाकलाप 2 – धातुओं के बिना शहर ?

प्रश्न : क्या शहरी जीवन धातुओं के इस्तेमाल के बिना संभव होता ? इस विषय पर चर्चा कीजिए।

संकेत : कठिन होता। **काँसे के औज़ार** (पत्थर उकेरना, फ़र्नीचर, मुहर, वास्तु-कार्य), हथियार (भालों की नोकें), आभूषण – सब धातु पर निर्भर। धातुओं के लिए **दूरस्थ व्यापार** और संगठन चाहिए था – इसी से शहरी अर्थव्यवस्था विकसित हुई। पर कुछ कार्य (ईंट, मिट्टी के बर्तन, खेती) धातु के बिना भी संभव थे; **शहर के विशेषज्ञ शिल्प** धातुओं के बिना सीमित रहते।

क्रियाकलाप 3 – ज़िमरीलिम का राजमहल

प्रश्न : चित्र में प्रवेश द्वार से भीतरी आँगन तक के मार्ग का पता लगाएँ। भंडारगृह में क्या रखा जाता होगा ? रसोईघर की पहचान कैसे की जा सकती है ?

संकेत : एकमात्र **प्रवेश द्वार (उत्तर)** → बाहरी आँगन (131) → सभागृह (132) → भीतरी आँगन (106)। **भंडारगृह** में अनाज, तेल, मदिरा/बीयर के पीपे, कीमती धातुएँ, पट्टिकाएँ/अभिलेख। **रसोईघर** की पहचान – **चूल्हे/भट्ठियों** की कतार, बड़े बर्तन, कार्यशाला के निकट होना (नक्शे में 'कार्यशाला और रसोई')।

क्रियाकलाप 4 – परंपराओं की कद्र

प्रश्न : आप ऐसा क्यों सोचते हैं कि असुरबनिपाल और नैबोनिडस ने मेसोपोटामिया की प्राचीन परंपराओं की कद्र की ?

संकेत : असुरबनिपाल ने पुरानी पट्टिकाएँ खोजने लिपिक भेजे, 1000 ग्रंथ और ≈30,000 पट्टिकाएँ संगृहीत व सूचीबद्ध कीं। **नैबोनिडस** ने पुराने राजा का पट्टलेख खोजा, भूली हुई **महिला-पुरोहित की परंपरा** पुनः शुरू की और **सारगोन की टूटी मूर्ति की मरम्मत** कराई। दोनों ने अतीत को **संजोने** का प्रयास किया।

J रिक्त स्थान, सत्य/असत्य, मिलान

1 रिक्त स्थान भरिए

1. **'मेसोपोटामिया' यूनानी शब्दों 'मेसोस' और _____ से बना है।**
   उत्तर : पोटैमोस (नदी)

2. **मेसोपोटामिया की पहली पट्टिकाएँ लगभग _____ ई.पू. की हैं।**
   उत्तर : 3200

3. **काँसा ताँबे और _____ का मिश्रण है।**
   उत्तर : राँगा (टिन)

4. **'क्यूनियस' का अर्थ _____ है।**
   उत्तर : खूँटी

5. **'वार्का शीर्ष' _____ नगर से मिला।**
   उत्तर : उरुक

6. **ज़िमरीलिम के राजमहल में _____ कक्ष थे।**
   उत्तर : 260

7. **मारी में स्टेपी के देवता _____ का मंदिर बना।**
   उत्तर : डैगन

8. **गिल्गेमिश महाकाव्य _____ पट्टिकाओं पर लिखा गया।**
   उत्तर : 12

9. **1 घंटे में _____ मिनट होते हैं – यह मेसोपोटामिया की देन है।**
   उत्तर : 60

10. **नैबोनिडस _____ का अंतिम शासक था।**
    उत्तर : बेबीलोन

2 सत्य / असत्य

1. **मेसोपोटामिया में शहरी जीवन की शुरुआत हुई।**
   उत्तर : सत्य

2. **दक्षिणी मेसोपोटामिया में वर्षा खेती के लिए पर्याप्त थी।**
   उत्तर : असत्य – वर्षा की कुछ कमी रहती थी; सिंचाई ज़रूरी थी।

3. **मेसोपोटामिया में धातु और पत्थर प्रचुर मात्रा में थे।**
   उत्तर : असत्य – खनिज संसाधनों का अभाव था।

4. **परिवहन का सबसे सस्ता तरीका जलमार्ग था।**
   उत्तर : सत्य

5. **कीलाकार पट्टिका सूखने के बाद उस पर नया चिह्न लिखा जा सकता था।**
   उत्तर : असत्य – नहीं लिखा जा सकता था।

6. **मेसोपोटामिया के अधिकतर लोग पढ़-लिख सकते थे।**
   उत्तर : असत्य – बहुत कम लोग साक्षर थे।

7 **उर के घरों में रोशनी खिड़कियों से आती थी।**

उत्तर : असत्य – आँगन में खुलने वाले दरवाज़ों से।

8 **मारी के राजाओं को पशुचारकों पर कड़ी नज़र रखनी पड़ती थी।**

उत्तर : सत्य

9 **असुरबनिपाल ने निनवै में पुस्तकालय स्थापित किया।**

उत्तर : सत्य

10 **मेसोपोटामिया में एकल परिवार को आदर्श माना जाता था।**

उत्तर : सत्य

3 मिलान कीजिए

क्र.	नाम
1	उरुक
2	मारी
3	निनवै
4	अलाशिया
5	अबू सलाबिख
6	उर
7	एमोराइट
8	डैगन

अक्षर	पहचान
(क)	साइप्रस – ताँबे का द्वीप
(ख)	पुस्तकालय का नगर
(ग)	स्टेपी का देवता
(घ)	ज़िमरीलिम का राजमहल
(ङ)	वार्का शीर्ष
(च)	मारी के राजाओं का समुदाय
(छ)	चंद्र देवता का नगर
(ज)	खुदाई का आधुनिक उदाहरण (छोटा कस्बा)

उत्तर

1–(ङ) 2–(घ) 3–(ख) 4–(क) 5–(ज) 6–(छ) 7–(च) 8–(ग)

शुभकामनाएँ!

नियमित अभ्यास और दोहराव से सफलता मिलती है। और भी नोट्स, MCQ और टेस्ट के लिए जाएँ – **mcqwaale.in** | **Ask Your Solution Academy** – Suresh Raikwar